www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 350 || लखनऊ
शुक्रवार
27 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:03
सूर्यास्तः 06:21
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 03

विशेष समाचार
क्या पाकिस्तान ईरान-इजरायल... >> पेज 02
लखनऊ के पेट्रोल पंपों पर लंबी... >>पेज 04
अवतार 3 ओटीटी पर 31 मार्च को...

हमने मिट्टी के दो चूल्हे बनवा लिए : अखिलेश

गैस किल्लत पर तंज, पूजा पाल पर कहा- हमारी विधायक को गुमराह किया

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी "झूठे प्रचार और इवेंट मैनेजमेंट" पर चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कंपनियों के साथ किए जा रहे एमओयू (MoU) सिर्फ माहौल बनाने के लिए हैं और इनमें पारदर्शिता का अभाव है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि जिन कंपनियों से सरकार समझौते कर रही है, उनका कोई मजबूत वित्तीय आधार नहीं है। उन्होंने

प्रदेश में हुए सभी एमओयू की गहन जांच कराने की मांग की और इसे "जनता को गुमराह करने की साजिश" बताया। अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को लेकर कहा कि भाजपा इसके महत्व को नहीं समझती। उन्होंने दावा किया कि जैसे-जैसे पीड़ा बढ़ेगी, पीडीए और मजबूत होगा और समाजवादी पार्टी इसे संगठित करने का काम करेगी।

"प्रोपेगेंडा पर चल रही सरकार"

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ प्रचार पर निर्भर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "एक समय जर्मनी में एक ही प्रोपेगेंडा मंत्री था, लेकिन आज भाजपा में हर मंत्री खुद को प्रोपेगेंडा मंत्री समझता है।" रसोई गैस और पेट्रोल की किल्लत को लेकर सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता को सिर्फ लाइनों में खड़ा होना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने संकट से निपटने के बजाय सिलेंडर का वजन कम कर दिया और कोई ठोस तैयारी नहीं की।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को लेकर गंभीर नहीं हैं। सपा सरकार बनने पर एआई का उपयोग खेती, किसानों और आम लोगों की भलाई के लिए किया जाएगा।

वैश्विक मुद्दों पर भी टिप्पणी

अखिलेश यादव ने मौजूदा वैश्विक संकट पर कहा कि भारत के पास मध्यस्थता का मौका था, लेकिन सरकार इसे भुना नहीं सकी। उन्होंने कहा कि इससे "विश्वगुरु" बनने का अवसर हाथ से निकल गया। सपा प्रमुख ने भरोसा जताया कि 2027 में उनकी सरकार बनने पर समाजवादी पेंशन योजना फिर शुरू की जाएगी, छात्राओं को लैपटॉप दिए जाएंगे और गरीब महिलाओं के लिए "महिला समृद्धि सम्मान योजना" के तहत हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे।

अखिलेश ने सीएम के अंग्रेजी ट्वीट पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- यह ट्वीट उन्होंने खुद नहीं लिखा, बल्कि एआई के जरिए किया गया है, जिसका झूठ पकड़ा जा चुका है। जो लोग एआई का फुल फॉर्म नहीं जानते, वे पीडीए को क्या समझेंगे। पीडीए का दुख-दर्द क्या समझेंगे। सपा प्रमुख ने सरकार के साइन किए गए एमओयू पर भी सवाल खड़े किए। सभी एमओयू की जांच कराई जाए। कहा- हमने मिट्टी के दो चूल्हे बनवा लिए हैं।

30 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद नाले से निकाली गई युवक की लाश

तेज बहाव और मुश्किल हालात बने बड़ी चुनौती

- 30 घंटे तक पानी में युवक का शव रहने पर भारी हो गया। जिसे 3-4 लोगों ने बाहर निकाला।
- शव को बाहर निकालने के बाद उसकी जेब से आधार कार्ड मिला था।

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में सेटेलाइट बस स्टैंड परिसर पर एक खुले नाले में गिरकर युवक की मौत हो गई। 30 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवक का शव निकाला जा सका। युवक मंगलवार रात साढ़े 9 बजे नाले में गिरा था। गुरुवार रात 3 बजे

उसकी डेडबॉडी निकाली जा सकी। इस दौरान पूरा प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा। युवक के गिरने का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया। मामला बारादरी थाना क्षेत्र का है। मंगलवार रात सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले सेटेलाइट बस स्टैंड पर एक खुले नाले में अचानक एक युवक गिर गया। पास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, एसीएम सिटी सौरभ दुबे, सीओ सिटी थर्ड पंकज श्रीवास्तव और बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू करवाई गई। मंगलवार रात करीब 12 बजे रेस्क्यू शुरू किया गया। सबसे पहले जेसीबी से नाले के कचरे को हटाना शुरू हुआ। मंगलवार पूरी रात रेस्क्यू चला, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

टीएमसी भाजपा वर्कर्स में झड़प, 20 घायल

5 राज्यों से 400 करोड़ की जब्ती, हिमंता बोले- कांग्रेस यहां नहीं, पाकिस्तान में सरकार बना सकती है

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती (एससी) विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इसमें 20 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। 8 लोग हिरासत में लिए गए हैं। यहां 29 अप्रैल को दूसरे फेज में मतदान होना है। उधर, चुनाव आयोग ने बताया कि 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 15 मार्च को चुनाव घोषणा के बाद से अब तक 400 करोड़ से अधिक के अवैध प्रलोभन जब्त किए गए हैं। इसमें 17.44 करोड़ कैश, 167.38 करोड़ के ड्रग्स शामिल हैं। वहीं

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने भबानीपुर में राम नवमी पर जुलूस निकाला।

असम CM हिमंता ने कहा- कांग्रेस भारत में सरकार नहीं बना सकती। वह पाकिस्तान या बांग्लादेश में ही सरकार बना सकती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की फ्लाइट गुरुवार को खराब मौसम के कारण कोलकाता एयरपोर्ट पर समय पर लैंड नहीं कर सकी। विमान को करीब एक घंटे तक हवा में चक्कर लगाने पड़े, जिसके बाद सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

अभिषेक बनर्जी बोले- लोगों को नागरिकता का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा रहा

TMC नेता अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर SIR की आड़ में देश के नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में TMC उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के समर्थन में प्रचार करते हुए उन्होंने भाजपा पर धर्म के आधार पर राजनीति करने और लोगों का ध्यान आजीविका और आवास जैसे मूलभूत मुद्दों से भटकाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- केंद्र में भाजपा सरकार देश के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ साजिश रच रही है।

5 राज्यों से जुड़े 5 बड़े अपडेट्स

- केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने गुरुवार को कहा- राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है।
- भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर में रामनवमी पर रैली निकाली।
- थरूर बोले- केरल में बीजेपी एक जीरो-सीट पार्टी है। असली मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच है।
- हिमंता ने कहा- जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह या तो पाकिस्तान में होगी या बांग्लादेश में।
- तृणमूल उम्मीदवार प्रतिभा मैती ने सरकार की दी हुई 'सबुज साथी' साइकिल पर अपना कैंपेन शुरू किया।

"केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने कहा- चुनाव आयोग एक निष्पक्ष संस्था है। अगर किसी के पास चुनाव आयोग के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं तो वो कोर्ट जाएं। इस बार टीएमसी हारेगी और दो तिहाई बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

फास्ट न्यूज

केरल की नर्स ने रातभर मेरी मां को संभाला : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने एक सभा में सोनिया गांधी की देखभाल कर रही केरल की नर्स का ज़िक्र किया और इन्हें राज्य की पहचान बताया। दरअसल बुधवार को राहुल को कोझिकोड जाना था, लेकिन वे सोनिया गांधी के हॉस्पिटल में भर्ती होने की वजह से जा नहीं पाए। उन्होंने लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। राहुल ने कहा, 'मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था।

आंध्र प्रदेश-डंपर से टकराकर बस में आग, 13 जिंदा जले

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। मरकापुरम के SP वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, डंपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा मिला

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को मिले चंदे में 161% की बढ़ोतरी हुई है। BJP को सभी राष्ट्रीय दलों को मिलाकर मिले कुल चंदे से भी 10 गुना ज्यादा पैसा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 हजार रुपए से ज्यादा के कुल चंदे की राशि 6,648.563 करोड़ रुपए रही।

ईरान युद्ध से कोविड जैसे हालात का खतरा : पुतिन

जो जंग लड़ रहे, उन्हें भी इसके असर का अंदाजा नहीं

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध से COVID महामारी जैसे हालात हो सकते हैं। मॉस्को में बिजनेस लीडर्स से बातचीत में पुतिन ने कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग के नतीजों का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जो देश इस युद्ध में शामिल हैं, उन्हें भी इसके असर का अंदाजा नहीं है। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष का असर अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, उत्पादन और सप्लाई चेन पर पड़ रहा है। साथ ही तेल-गैस, धातु

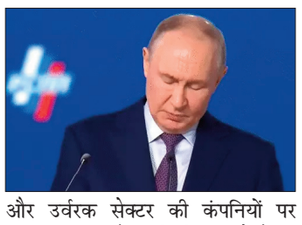

और उर्वरक सेक्टर की कंपनियों पर दबाव बढ़ रहा है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला (ग्राउंड इनवेजन) कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

जंग न होती तो रविकिशन दुबई में होते : योगी

जैसे पहले सिलेंडर घर पहुंचता था, अब भी पहुंचाएंगे, अफवाहों से सतर्क रहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में CM योगी ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान में युद्ध चल रहा है। यह लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति पर असर पड़ेगा। हमें घबराना नहीं है। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। चुनौती आती है तो सबको सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति होती है। योगी ने सांसद रविकिशन की चुटकी ली। कहा- युद्ध न हो रहा होता तो हो सकता है रविकिशन दुबई में होते। लेकिन, वहां हालात ठीक नहीं है तो उन्होंने सोचा कि चलो मैं भी सहजनवा चलता हूं। सीएम ने सहजनवा में 3.5 एकड़ में बने आईटी पार्क का लोकार्पण किया। कहा- रविकिशन को विश्वास नहीं हो रहा था। कह रहे थे कि गोरखपुर के विकास में 5000 करोड़ रुपए तो लग गए होंगे। मैंने कहा- नहीं, आप गलत बोल रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

- सीएम योगी के साथ मंच पर निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद और सांसद रविकिशन मौजूद थे।
- बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और कार्यकर्ता कार्यक्रम में पहुंचे थे।
- सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने 20 करोड़ रुपए की लागत से आईटी पार्क का निर्माण किया है। योगी ने इसका लोकार्पण किया।

योगी का विपक्ष पर तंज, बोले- पहले की सरकारों ने युवाओं को प्लेटफॉर्म नहीं दिया

सीएम ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। स्केल था, लेकिन 2014 के पहले की सरकारों ने उनके स्केल को महत्व नहीं दिया। उसे स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया। कोई प्लेटफॉर्म नहीं उपलब्ध कराया। परिणाम था युवा हतोत्साहित होकर पलायन करता था। लेकिन 2014 के बाद एक-एक करके हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिला।

योगी ने कहा- सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के लिए पैसा उपलब्ध कराया

योगी ने कहा कि भविष्य की एनर्जी के लिए हमें किसी देश पर निर्भर न रहना पड़े। इसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी उसका माध्यम बनने वाली है। उसी के लिए हमने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए पैसा उपलब्ध कराया है। इस तकनीकी को लाने के लिए हम जापान भी गए थे। जापान काफी एडवांस स्टेज में है। इस तकनीकी के मामले में। तकनीकी को आने में थोड़ा समय लगता है।

योगी बोले- जीआईडी में प्लास्टिक पार्क भी विकसित होगा

योगी ने कहा कि इन नौ सालों में नवनिर्माण की नई प्रगति को दुनिया के सामने रखा है। लगभग 350 से अधिक उद्योग GIDA में लगे हैं। 15 हजार करोड़ से अधिक निवेश हुआ। 50 हजार से अधिक युवाओं के रोजगार की संभावना विकसित हुई। गीडा में फ्लैटेड फैक्ट्री में रेडीमेड गारमेंट उद्यमियों को सुविधा मिलेगी। यहां प्लास्टिक पार्क भी विकसित हो रहा है। योगी ने कहा कि एसटीपीआई को धन्यवाद देंगे कि इस तरह के आईटी पार्क के लिए उन्होंने गोरखपुर को चुना। अन्य जगहों पर जो अच्छे स्टार्टअप हैं, वे यहां आकर यहां के युवाओं को प्रेरित करेंगे। घर में बैठे-बैठे बहुत सारे अवसर आपको आईटी पार्क उपलब्ध कराएगा। एसटीपीआई से कहूंगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए तकनीकी संस्थान एवं उच्च शिक्षा संस्थानों को भी इससे जोड़ सकेंगे तो उनके मन में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आपमें भी क्षमता है कि आप भी स्टार्टअप कर सकते हैं।

"सीएम योगी ने कहा कि रविकिशन को विश्वास नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि 5 हजार करोड़ तो गोरखपुर में लग गया होगा। मैंने कहा नहीं, आप गलत बोल रहे हैं। मैंने कहा कि 1 लाख करोड़ से अधिक पैसा लगा है। एम्स बना, फर्टिलाइजर बना, स्किल डेवलपमेंट के सेंटर बने। 350 से अधिक उद्योग आए। चारों ओर हाईवे की कनेक्टिविटी हुई। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बना। इससे लाखों युवाओं के रोजगार की संभावनाएं भी बनी हैं।

दिल्ली-लंदन एअर इंडिया फ्लाइट सऊदी से लौटी

विमान को 11 दिन पहले भी डायवर्ट करना पड़ा था

परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का A350-900 (VT-JRF) विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौट आया। यह करीब सात घंटे हवा में रहा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। करीब चार घंटे बाद सऊदी अरब के एयरस्पेस में विमान को लौटाने का फैसला लिया गया। विमान लगभग सात घंटे हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे वापस दिल्ली पहुंचा। सूत्रों के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अजीब आवाजें सुनी गईं। हालांकि, एअर इंडिया के

प्रवक्ता ने कहा कि एहतियातन विमान को वापस लौटाया गया। दिल्ली में इसकी जांच की जा रही है। यात्रियों को जल्द लंदन पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी विमान में 11 दिन पहले 15 मार्च को भी तकनीकी खराबी आई थी। न्यूयॉर्क से दिल्ली आते समय विमान में सीट नंबर 32 और 33 पर बैठे यात्रियों को फ्लोर के नीचे से तेज कंपन और आवाज महसूस हुई।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

एक और स्वयंभू भगवान के काले कारनामे

अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर तकलीफ में आए लोगों को फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना। अलग बरसों बरस ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा। राजनीति कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ. अंबेडकर जैसे लोगों ने नए क्रांतिकारी विचारों की अलख जलाई, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह सब इसलिए ही है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी ध्यान देती हैं, जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का कोई भी राजनैतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर नहीं रख पाया है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी लोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन भाजपा के शासनकाल में यह समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। अभी भी कई ऐसे प्रकरण हमारे सामने हैं जहां कोई मुख्यमंत्री किसी कथावाचक की आरती उतार रहा है या रही है। या मोदी शासनकाल में हनुमानजी से बात करने का चमत्कार दिखाने वाला कोई बाबा करोड़ों-अरबों में खेलने लगे। सवाल सीधा सा है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है। चमत्कारी बाबा बताने वाला यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आईं। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है। पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि एनसीपी अजित गुट की नेता और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अशोक खरात के पैर धोती दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब देवेन्द्र फड़नवीस ने उचित कदम उठाते हुए चाकणकर से इस्तीफा ले लिया है। वहीं चाकणकर का भी कहना है कि वो आरोपी को 2019 से जानती थीं।

क्या पाकिस्तान ईरान-इजरायल संकट के बीच एक 'दलाल राष्ट्र' है

> *बताया जाता है कि अमेरिका की तरफ से पाकिस्तान और तुर्किए दोनों ही ईरान के सामने प्रस्ताव रखा कि मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध को रोकने के लिए शांति वार्ता पाकिस्तान या तुर्किए में हो सकती है।समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पाकिस्तान और तुर्किए के अमेरिका की तरफ से भेजे प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।*

हाल ही में अमेरिका-ईरान जंग में मध्यस्थता करने पर जयशंकर ने पाकिस्तान को अमेरिका का दलाल कहकर पुकारा। साथ ही ये भी कहा कि पाकिस्तान 1981 से ऐसा करता आ रहा है।यह कोई नई बात नहीं है। अमेरिका हमेशा उसका इस्तेमाल करता रहा है। ईरान संकट पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का सवाल था कि अमेरिका ईरान युद्ध में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, हमारी भूमिका क्या है? इन सवालों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ साफ कहा कि भारत खुद को पाकिस्तान की तरह 'दलाल' के रूप में नहीं देखता है। भारत की भूमिका प्रोडक्टिव है। भारत चाहता है कि शांति हो। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि अमेरिका 1981 से उस देश का इस्तेमाल कर रहा है। संसद परिसर में आयोजित इस बैठक में उन्होंने दो टूक कहा, हम कोई 'दलाल' देश नहीं हैं।" सरकार ने विपक्षी नेताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश दिया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसका असर सभी पक्षों पर पड़ रहा है। भारत ने इस मुद्दे पर तनाव कम करने के अपने रुख को दोहराया है। सरकार ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि नई दिल्ली इस वैश्विक संकट पर खामोश है। सरकार ने पलटवार करते हुए कहा, "हम स्थिति पर टिप्पणी भी कर रहे हैं और प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।" कूटनीतिक सक्रियता का उदाहरण देते हुए बताया गया कि जब ईरान का दूतावास खुला, तो विदेश सचिव ने बिना किसी देरी के वहां जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर का जवाब इतिहास के पन्नों को उधेड़ने वाला था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पाकिस्तान की मध्यस्थता का जिक्र आने पर जयशंकर ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो 1981 से चल रहा है, अमेरिका ने सालों से पाकिस्तान को ईरान के साथ बातचीत में लगा रखा है। सवाल ये कि आखिर 1981 में ऐसा क्या हुआ था, जिसका जिक्र कर विदेश मंत्री ने पाकिस्तान की हैसियत और अमेरिका के साथ उसके रिश्तों की पूरी कलई खोल कर रख दी। बात 1979 की है, जब ईरान में ऐतिहासिक इस्लामिक क्रांति हुई थी। इसी क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरानी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया और 400 से ज्यादा दिनों तक अमेरिकी राजनयिकों को बंधक बनाए रखा। यह इतिहास का वह चर्चित बंधक संकट था जिसने अमेरिका और ईरान के रिश्तों में हमेशा के लिए एक गहरी खाई खोद दी। इस घटना के बाद 7 अप्रैल 1980 को अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंध पूरी तरह से टूट गए। दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां अपने दूतावास बंद कर दिए और सीधी बातचीत का कोई रास्ता नहीं बचा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में धुर विरोधी देशों को भी संवाद का कोई न कोई 'बैकचैनल' या पिछला दरवाजा खुला रखना पड़ता है। यहीं से उस व्यवस्था का जन्म हुआ जिसे जयशंकर ने 'दलाली' का नाम दिया। जनवरी 1981 में अमेरिका और ईरान के बीच अल्जीयर्स समझौता हुआ। इसके तहत तय किया गया कि दोनों देश एक-दूसरे की राजधानियों में किसी तीसरे 'तटस्थ' देश के राजनयिक संरक्षण में अपने इंट्रेस्ट पर फोकस करेंगे। ईरान में अमेरिकी हितों की देखभाल का जिम्मा स्विट्जरलैंड के दूतावास को सौंपा गया, जो आज भी कायम है। वहीं, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में ईरान के हितों की जिम्मेदारी शुरुआत में अल्जीरिया को दी गई थी। लेकिन 1992 में अल्जीरिया में हुए गृह युद्ध के दौरान जब ईरान ने वहां के इस्लामिक धड़े का समर्थन किया, तो अल्जीरिया ने यह जिम्मेदारी छोड़ दी। अल्जीरिया के हटते ही पाकिस्तान ने इस अवसर को लपक लिया और अमेरिका में ईरान का संरक्षक बन बैठा। तब से लेकर आज तक अमेरिका में ईरान का जो भी आधिकारिक कामकाज होता है, वह पाकिस्तानी दूतावास की छतरी तले ही होता है। वाशिंगटन डीसी के 2209 विस्कॉन्सिन एवेन्यू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के पते से ही 2015 तक ईरानी सरकार ने अमेरिका में अपना काम किया। बाद में जगह की कमी के कारण ईरान को दूसरी जगह दे दी गई। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी कानूनी और कूटनीतिक रूप से यह जगह पाकिस्तानी दूतावास का ही हिस्सा मानी जाती है और इसे पाकिस्तान का राजनयिक संरक्षण प्राप्त है। इस कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को पाकिस्तानी प्रोटोकॉल कवर मिलता है। करीब 15 लाख ईरानी-अमेरिकियों के पासपोर्ट रिन्यू करने से लेकर जन्म और विवाह प्रमाण पत्र बनाने तक का सारा काम इसी दफ्तर से होता है। इस पूरी व्यवस्था को देखकर साफ समझ आता है कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच महज एक डाकघर की भूमिका निभाता है। जो भी देश इन दोनों धुर विरोधियों के बीच बातचीत का सूत्रधार बनता है, उसके कागजात इस्लामाबाद के जरिए ही आगे बढ़ते हैं। यह पाकिस्तान की उस अवसरवादी और दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है जहां वह एक तरफ कर्जे के लिए ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के सामने हाथ फैलाता है और खुद को सुन्नी दुनिया का मसीहा बताता है, तो दूसरी तरफ अमेरिका में तेहरान (शिया शक्ति) का राजनयिक चैनल भी चलाता है। जयशंकर का इशारा पाकिस्तान की इसी भूमिका की ओर था कि वह 1981 में बनी व्यवस्था के तहत आज भी दोनों पक्षों के बीच एक किराए के संदेशवाहक का काम कर रहा है। जयशंकर का 1981 का जिक्र केवल इस कूटनीतिक डाकघर तक ही सीमित नहीं था, बल्कि यह उस साल की ओर भी सीधा इशारा था जब अमेरिका ने पाकिस्तान को अपने भू-राजनीतिक मोहरे के रूप में पूरी तरह से खरीद लिया था। 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के आक्रमण के बाद अमेरिका को इस क्षेत्र में एक ऐसे मोहरे की जरूरत थी जो चंद डॉलरों के एवज में उसके इशारों पर काम कर सके और अपनी जमीन का इस्तेमाल करने दे। पाकिस्तान इस काम के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गया। इसके बाद 1981 में रोनाल्ड रीगन के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन और पाकिस्तान के बीच एक बेहद अहम सैन्य और आर्थिक समझौता हुआ। इस डील के तहत अमेरिका ने पाकिस्तान की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर 3.12 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम 5 वर्षीय पैकेज मंजूर किया।

■ अशोक भाटिया

जन सुराज का...

डॉ. शैलेश शुक्ला

एआई और चुनावी अभियान: लोकतंत्र के लिए अवसर या खतरा?

समय की संवेदनशील सरिता में जब संवाद, सूचना और संप्रेषण की शक्ति नई तकनीकों के साथ संलग्न होती है, तब लोकतंत्र की दिशा और दशा दोनों प्रभावित होती हैं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रवेश चुनावी अभियानों में उसी प्रकार हुआ है, जैसे कभी रेडियो, फिर टेलीविजन और उसके बाद सोशल मीडिया ने राजनीतिक संचार को परिवर्तित किया था किंतु इस बार परिवर्तन केवल माध्यम का नहीं बल्कि मनोविज्ञान, मतनिर्माण और मतदाताओं के विश्वास का भी है। यही कारण है कि यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो गया है कि क्या एआई चुनावी अभियानों में लोकतंत्र को सशक्त कर रहा है या उसे संकट की ओर ले जा रहा है। यदि इस विषय को प्रमाणिक और समकालीन तथ्यों के आधार पर समझें, तो स्पष्ट होता है कि एआई चुनावी प्रक्रिया में दोहरे प्रभाव के साथ उपस्थित है—एक ओर यह संवाद को सरल, सुलभ और व्यापक बना रहा है, वहीं दूसरी ओर यह भ्रम, भ्रामकता और मनोवैज्ञानिक हेरफेर का माध्यम भी बन रहा है। वर्ष 2025-26 के वैश्विक चुनावी परिदृश्य के विश्लेषण में यह पाया गया कि विभिन्न देशों—जैसे बांग्लादेश, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और ताइवान—में एआई का उपयोग मतदाताओं को भ्रमित करने, उम्मीदवारों की छवि बिगाड़ने और कृत्रिम प्रचार सामग्री तैयार करने के लिए किया गया। यह तथ्य इस बात का स्पष्ट संकेत है कि एआई अब चुनावी रणनीति का सक्रिय उपकरण बन चुका है। एआई का पहला और सकारात्मक पक्ष है "संचार का सशक्तिकरण"। आज राजनीतिक दल एआई के माध्यम से मतदाताओं तक अधिक सटीक और व्यक्तिगत संदेश पहुँचा पा रहे हैं। जनरेटिव एआई के उपयोग से भाषण, घोषणापत्र, वीडियो और डिजिटल सामग्री तेजी से तैयार की जा रही है, जिससे छोटे दलों और सीमित संसाधनों वाले उम्मीदवारों को भी प्रतिस्पर्धा में अवसर मिल रहा है। फ्रांस के स्थानीय चुनावों 2026 में यह देखा गया कि एआई ने छोटे उम्मीदवारों को भी प्रभावी प्रचार करने का अवसर दिया, जिससे लोकतंत्र में भागीदारी का दायरा बढ़ा। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को अधिक समावेशी बनाती है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा विश्लेषण के माध्यम से मतदाताओं की प्राथमिकताओं को समझने में भी सहायता करता है। इससे नीति निर्माण अधिक लक्षित और प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, विभिन्न शोधों में यह बताया गया है कि एआई आधारित विश्लेषण चुनावी रणनीति को अधिक वैज्ञानिक और डेटा-आधारित बनाता है, जिससे राजनीतिक दल जनता की वास्तविक समस्याओं को समझने में सक्षम होते हैं। यह लोकतंत्र की गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। परंतु जहाँ अवसर हैं, वहीं खतरे भी अत्यंत गहरे हैं। एआई का सबसे गंभीर खतरा है "भ्रामक सूचना और दुष्प्रचार का प्रसार"। विश्व आर्थिक मंच और यूनेस्को जैसे संस्थानों ने यह चेतावनी दी है कि एआई द्वारा निर्मित सिंथेटिक मीडिया ने सत्य और असत्य के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है। वर्ष 2023 में लगभग 5 लाख डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए, और 2025 तक इनके 80 लाख तक पहुँचने का अनुमान व्यक्त किया गया। यह वृद्धि केवल संख्या में नहीं, बल्कि प्रभाव में भी दिखाई दे रही है। चुनावी संदर्भ में यह खतरा और अधिक गंभीर हो जाता है। बांग्लादेश के 2026 के आम चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने लगभग 86,000 एआई-जनित भ्रामक सामग्री के मामलों की पहचान की, जिनमें हजारों सामग्री हिंसक और भड़काऊ थी। यह उदाहरण इस बात का प्रमाण है कि एआई आधारित दुष्प्रचार लोकतंत्र की स्थिरता को सीधे प्रभावित कर सकता है। डीपफेक तकनीक इस खतरे का सबसे तीव्र रूप है। एआई द्वारा तैयार नकली वीडियो और ऑडियो मतदाताओं को भ्रमित कर सकते हैं और उम्मीदवारों की छवि को नुकसान पहुँचा सकते हैं। अनेक विश्लेषणों में यह पाया गया है कि डीपफेक सामग्री इतनी यथार्थवादी होती है कि आम नागरिक के लिए उसे पहचानना कठिन होता है। इससे मतदाताओं की निर्णय क्षमता प्रभावित होती है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। इसके साथ ही "लक्षित मनोवैज्ञानिक हेरफेर" का खतरा भी बढ़ गया है। एआई के माध्यम से मतदाताओं के व्यवहार, पसंद और भावनाओं का विश्लेषण करके उन्हें विशेष प्रकार के संदेश भेजे जाते हैं।

उन देशों की...

डॉ. नीरज भारद्वाज

महानगरों में ईंधन संकट

आज भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर अध्ययन अध्यापन हो रहा है। विचार करें तो भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय समाज कभी किसी देश पर आश्रित नहीं रहा है। हमें जो भी चाहिए था, हमने शोधपरक दृष्टि से उसे वस्तु को यहां पैदा किया है। हमारे ऋषि-मुनियों, साधकों, संतों, शोधकर्ताओं ने सृष्टि में जड़ से लेकर वृक्ष के हर भाग पर शोध किया। नदी, पर्वतों, ग्रहों, नक्षत्रों, दिन-रात के पहरों, पलों आदि सभी का अध्ययन किया।हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण, समाज को कैसे ठीक रखा जा सकता है, उसका उपचार किया। उसके अलग-अलग नाम और उपयोग भी समाज को समझाये। लकड़ी का ही उदाहरण ले सकते हैं। यज्ञ में प्रयोग होने वाली आम की लकड़ी, जिसे समिधा कहा जाता है। चूल्हे में जलने पर इसे ईंधन कहा जाता है। चिता में लकड़ी लगाई जाती है। इस प्रकार अलग-अलग प्रयोग क्षेत्र में अलग-अलग शब्द प्रयोग में लाए गए। हमने अपने आसपास और वातावरण के हिसाब से फल-सब्जियां, अन्न आदि को बोया-खाया, जिससे हम स्वस्थ रहें। हमारे समाज का विकास हर क्षेत्र में अलग-अलग तरीके से किया गया। गांव में ही कारीगरों को स्थापित किया गया। गांव का सारा काम बिना किसी बड़े खर्च के वहां रह रहे लोग आसानी से आपसी सहयोग से कर लेते थे। सभी काम आपसी भाईचारे के साथ किए जाते थे। जैसे-जैसे आक्रमणकारी भारत में आए, उन्होंने हमारी सामाजिक व्यवस्था को भंग किया। देश में नए-नए विवाद पैदा कर दिए। गांव से अलग किले, नगर और महानगर बसा दिए गए। जाति-धर्म के नाम पर लोगों को बांटकर आपस में ही लड़वाया गया। समाज विकसित कम बिखरा हुआ अधिक दिखाई देने लगा। एक बार फिर गांव की ओर चलते हैं। गांव में कभी ऊर्जा, जल, खाद्य सामग्री आदि का संकट था ही नहीं और ना कभी होगा, यह भी एक दावे के साथ कहा जा सकता है। हमने गांव के बाहर पानी के तालाब बनवाए हुए थे जिसमें पशु-पक्षी सभी पानी पीते थे। बरसात का पानी वहां इक्ट्ठा होता था। तालाब के नजदीक ही कुएं बनवाएं, जिनका पानी मीठा रहा। पीने के प्रयोग और खान-पान में प्रयोग होने के चलते ही इन कुओं को हमने पूजा और कुआं पूजन आज भी भारतीय संस्कृति में है। पशुधन से दूध मिला, साथ ही उनके गोबर से उपले बनाकर खाना बनाने में अर्थात ईंधन के रूप में प्रयोग किया। उत्तम खेती के लिए गोबर का खाद प्रयोग में लिया। विचार करें तो किसान खेत में बहुत सारी फैसलें ऐसी भी बोता है, जिससे ईंधन पैदा होता है, जैसे- सरसों, ढांचा, अरहर आदि की खेती से बड़ी मात्रा में ईंधन निकलकर आता है, इससे चूल्हा जलता है। ईंधन अर्थात ऊर्जा का कोई संकट किसी भी तरीके का नहीं था। आधुनिकता की दौड़ने नगरों-महानगरों को जन्म दिया लेकिन विचार करके देखें तो यहां सुविधाओं के साथ संकट की भी स्थिति पैदा हो जाती है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर जो युद्ध हो रहे हैं, उनसे हमारे देश का किसी प्रकार का कोई लेना-देना नहीं है और ना ही हम उस युद्ध में शामिल हैं। उन देशों की लड़ाई का संकट आज हमारे देश में भी कई प्रकार का संकट खड़ा कर रहा है जिसमें ऊर्जा संकट सबसे बड़ा है क्योंकि हम ऊर्जा के लिए आश्रित हो गए हैं। हमने अपनी ज्ञान परंपरा, अपने सामाजिक ढांचे को सही से समझा नहीं। अब घरेलू गैस, डीजल, पेट्रोल आदि की कमी के चलते लोग शहर से फिर गांव की ओर बढ़ रहे हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

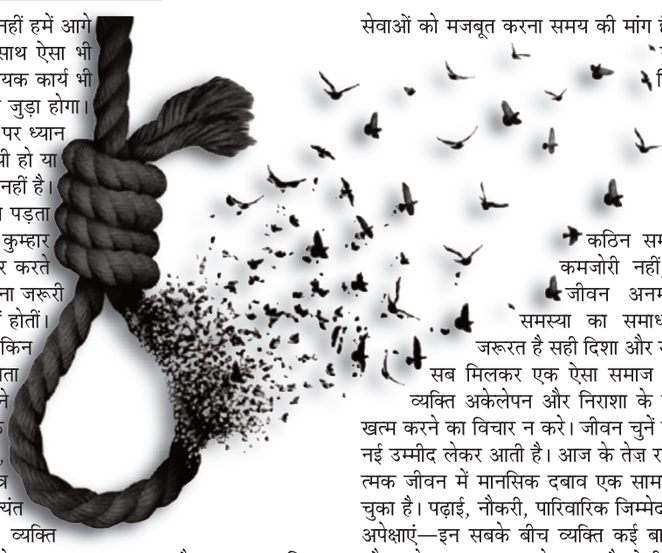

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझोर देती है। अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है। अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है। अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा। इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है। यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की। परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा। सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। कठिन समय में मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। जीवन अनमोल है, और हर समस्या का समाधान संभव है, बस जरूरत है सही दिशा और सहयोग की।आइए, म सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां कोई भी व्यक्ति अकेलेपन और निराशा के कारण अपनी जिंदगी खत्म करने का विचार न करे। जीवन चुनें क्योंकि हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है। आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक दबाव एक सामान्य वास्तविकता बन चुका है। पढ़ाई, नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं—इन सबके बीच व्यक्ति कई बार स्वयं को असहाय और अकेला महसूस करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोग आत्महत्या जैसे कठोर कदम के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं बल्कि स्थायी पीड़ा का कारण है।आत्महत्या एक पल की निराशा का निर्णय होता है, जबकि जीवन अनगिनत संभावनाओं से भरा होता है। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, और हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। जो आज असहनीय लग रहा है, वह समय के साथ हल्का हो सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने गहरे संघर्षों का सामना किया लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सफलता हासिल की। समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी है। लोग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे अंदर ही अंदर तनाव बढ़ता जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने आसपास के लोगों के प्रति संवेदनशील बनें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उन्हें सहारा दें। परिवार और मित्रों का साथ किसी भी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को संभाल सकता है।शिक्षा संस्थानों और कार्यस्थलों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। काउंसलिंग सेवाएं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और सकारात्मक वातावरण व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर बात कर सकें। यह याद रखना चाहिए कि जीवन अमूल्य है। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। निराशा के क्षणों में धैर्य रखना और सहायता मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है। यदि हम स्वयं या हमारे आसपास कोई व्यक्ति कठिन दौर से गुजर रहा है, तो उसे यह विश्वास दिलाना हमारी जिम्मेदारी है कि वह अकेला नहीं है। आत्महत्या नहीं, जीवन चुनें—क्योंकि हर जीवन महत्वपूर्ण है और हर समस्या का समाधान संभव है।

अंपायर ने गेंद को डेड बताया, टी-20 वर्ल्ड कप में से चर्चा में आए थे

उस्मान तारिक की नकल करना श्रीलंकाई गेंदबाज को भारी पड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे बॉलिंग स्टाइल की नकल करना एक खिलाड़ी को भारी पड़ गया। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज में खेले गए एक मैच में गेंदबाज नेथुजा बशिथा ने तारिक की शैली अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर ने इसे नियमों के खिलाफ मानते हुए गेंद को डेड बॉल करार दिया। यह मैच गॉल में 21 मार्च को रिचमंड कॉलेज और महिंदा कॉलेज के बीच खेला गया था। पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक इन दिनों अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली के कारण काफी चर्चा में हैं। हाल ही में समाप्त हुए ICC टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान

कर दिया। तारिक गेंद फेंकने से पहले कुछ सेकंड के लिए रुकते हैं, जिससे बल्लेबाजों को उनके खिलाफ खेलना मुश्किल हो जाता है। मैच के दौरान नेथुजा बशिथा ने उस्मान तारिक की तरह रुककर गेंदबाजी करने की कोशिश की। बशिथा अपने रन-अप के दौरान बीच में रुके और कई बार उछलकर गेंद फेंकी। अंपायर ने इसे तुरंत भांप लिया और गेंद को 'डेड बॉल' करार दे दिया। दरअसल, अंपायर का मानना था कि यह गेंदबाज के सामान्य बॉलिंग एक्शन का हिस्सा नहीं था।

वर्ल्ड कप में कैसा रहा पाकिस्तान का सफर?

उस्मान तारिक ने सुपर-8 राउंड तक पाकिस्तान को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ आखिरी सुपर-8 मैच में वे काफी महंगे साबित हुए। पाकिस्तान की टीम इस बार सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई थी, लेकिन तारिक की गेंदबाजी पूरे टूर्नामेंट में 'टॉक ऑफ द टाउन' बनी रही। इसी का नतीजा है कि अब छोटे स्तर के मैचों में युवा खिलाड़ी उनके स्टाइल को अपना रहे हैं।

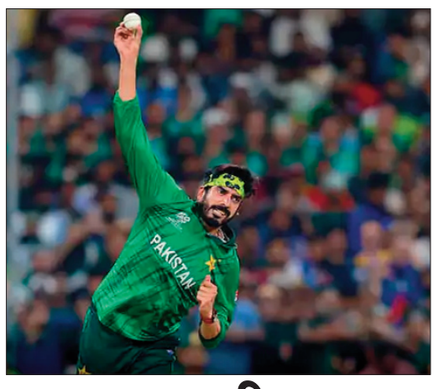

उस्मान तारिक का एक्शन क्यों है लीगल?

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान जब उस्मान तारिक ने अपनी गेंदबाजी से भारत और इंग्लैंड जैसे बड़े देशों के बल्लेबाजों को परेशान किया था, तब उनके एक्शन पर भी सवाल उठे थे। हालांकि, ICC ने उनके बॉलिंग एक्शन को पूरी तरह 'लीगल' यानी वैध बताया है। ICC के अनुसार, रुककर गेंद फेंकना तारिक के स्वाभाविक और नियमित बॉलिंग एक्शन का हिस्सा है, न कि बल्लेबाज को धोखा देने की कोई अलग से की गई कोशिश।

क्रिकेटर शेन-वॉर्न के परिवार को मिल सकते हैं 460 करोड़

राजस्थान रॉयल्स को 2008 में आईपीएल जितवाया था

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स से ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के परिवार को 450 से 460 करोड़ रुपए मिल सकते है। यह फायदा वॉर्न के उस फैसले की वजह से हो सकता है, जो उन्होंने करीब 20 साल पहले टीम के साथ कॉन्ट्रैक्ट करते समय लिया था। दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने स्पिनर शेन वार्न को टीम का कप्तान बनाया था। उस समय उन्हें सिर्फ खिलाड़ी और कप्तान के रूप में ही नहीं, बल्कि क्रिकेट संचालन से जुड़े कई फैसलों की जिम्मेदारी भी दी गई थी। इसी दौरान वॉर्न ने अपनी सैलरी के साथ फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी की मांग की थी, जिसे टीम मैनेजमेंट ने स्वीकार कर लिया था। इंडियन प्रीमियर लीग

का पहला सीजन राजस्थान रॉयल्स ने जीता था। 4 मार्च 2022 को शेन वॉर्न का 52 साल की उम्र में निधन हो गया था। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा किए गए समझौते के तहत वॉर्न को हर सीजन खेलने के बदले करीब 6.57 लाख डॉलर की सैलरी के साथ 0.75 प्रतिशत टीम की हिस्सेदारी दी गई। वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स टीम के लिए चार सीजन तक खेला, जिसके बाद उनकी कुल हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 3 प्रतिशत तक पहुंच गई।

फास्ट न्यूज

रणवीर का पगड़ी में धूम्रपान वाला सीन पूरी तरह फेक

नई दिल्ली। फिल्ममेकर आदित्य धर ने फिल्म धुरंधर 2 को लेकर एआई और फेक एडिट की गई तस्वीरें फैलाने वालों पर सख्त चेतावनी दी। यह बयान ऐसे समय आया जब फिल्म ने 7 दिनों में दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए आदित्य धर ने दर्शकों का धन्यवाद किया और कहा कि फिल्म को देश और विदेश में अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

रामनवमी के मौके पर बंद रहेगा शेयर बाजार

मुंबई। देश का शेयर बाजार आज (26 मार्च 2026, गुरुवार) रामनवमी (Ram Navami) के अवसर पर बंद रहेगा। ऐसे में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) हो या नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) दोनों में कारोबार नहीं किया जा सकेगा। बता दें कि, आज के दिन कई सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों की छुट्टी है। इसके अलावा आज देश के तमाम निजी और सरकारी बैंक बंद रहने वाले हैं। हालांकि, कुछ दफ्तरों में काम जारी रहेगा। बीएसई की बेवसाइट के मुताबिक, आज इक्विटी सेगमेंट, डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट तीनों बंद रहेंगे। इसी के साथ करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं होगी। कमॉडिटी मार्केट भी सुबह और शाम दोनों सेशन के लिए बंद रहेगा। हालांकि, कल 27 मार्च 2026, शुक्रवार को बाजार में सामान्य तौर पर कारोबार शुरू होगा।

ईरान को ट्रम्प के दामाद पर भरोसा नहीं

नई दिल्ली। ईरान ने ट्रम्प सरकार को संकेत दिया है कि वह राष्ट्रपति की चुनी हुई टीम के बजाए जेडी वेंस के साथ बातचीत करना ज्यादा पसंद करेगा। CNN के मुताबिक सूत्रों का कहना है कि ईरान वेंस को युद्ध विरोधी मानता है। ईरान ट्रम्प के दामाद और सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। ईरान का कहना है उनके साथ बातचीत चल रही थी तभी अमेरिका-ईजराइल ने हमला कर दिया था।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म का ऐलान

के.जे.एस. ढिल्लों की किताब पर आधारित प्रोजेक्ट होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने गुरुवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म बनाने का ऐलान किया है। यह फिल्म पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भारतीय सेना की कार्रवाई से प्रेरित होगी। फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. ढिल्लों (रिटायर्ड) की किताब ₹ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान₹ पर आधारित होगी। इसका डायरेक्शन विवेक अग्निहोत्री करेंगे। इस प्रोजेक्ट को भूषण कुमार की टी-सीरीज और अग्निहोत्री की आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में भारत की ताकत, हिम्मत और सटीक कार्रवाई को दिखाया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की 6-7 मई 2025 की रात पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई थी। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किया गया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य हमले के जिम्मेदार आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। फिल्म को लेकर भूषण कुमार ने कहा कि यह कहानी खुद सामने आई है और इसे जिम्मेदारी के साथ दिखाना जरूरी है। उन्होंने इसे देश की एक अहम घटना को दर्ज करने की कोशिश बताया।

भारत में अप्रैल में रिलीज होने की उम्मीद, ₹13,070 करोड़ की कमाई कर चुकी फिल्म

अवतार 3 ओटीटी पर 31 मार्च को रिलीज होगी

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

हॉलीवुड के मशहूर निर्देशकजेम्स कैमरून की बहुप्रतीक्षित विज्ञान फिक्शन फिल्म अवतारः फायर एंड ऐश अब थ्रिलर के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। 19 दिसंबर 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनियाभर में करीब 13,070 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की। अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है कि इसे जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा, जिससे दर्शक घर बैठे इस भव्य फिल्म का आनंद ले सकेंगे। 'अवतारः फायर एंड ऐश' को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,400 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम बजट खर्च किया गया। फिल्म ने वैश्विक स्तर पर करीब 1.49 बिलियन डॉलर का कलेक्शन कर अपनी सफलता साबित की।

3,400 करोड़ के बजट में बनी है अवतार 3

अवतार 3' का कुल बजट करीब 400 मिलियन डॉलर (3,400 करोड़) था। बॉक्स ऑफिस पर इसने $1.49 बिलियन की कमाई की। भारत में भी फिल्म का क्रेज दिखा और इसने 235 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। फिल्म की बेहतरीन मेकिंग के लिए इसे 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स (Oscars 2026) में 'बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स' का अवॉर्ड भी मिला है। जेम्स कैमरून की यह फ्रेंचाइज दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सीरीज है।

ऑस्कर में भी मारी बाजी

फिल्म की शानदार विजुअल क्वालिटी और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए इसे Academy Awards 2026 में 'बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स' का अवॉर्ड मिला। यह उपलब्धि फिल्म के हाई-एंड वीएफएक्स और सिनेमाई भव्यता को दर्शाती है। 'अवतार' फ्रेंचाइजी पहले ही दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म सीरीज में शामिल हो चुकी है और हर नई फिल्म के साथ इसका क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईद पर 5 दिन का सीजफायर खत्म होने के बाद हिंसा शुरू, 3 पाकिस्तानी चौकियां तबाह

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर झड़प

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर बुधवार को फिर से लड़ाई शुरू हो गई। अफगान तालिबान अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम दो आम नागरिकों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए हैं। वहीं पाकिस्तान में भी एक नागरिक के मारे जाने की खबर है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने मिलकर ईद को लेकर 5 दिनों का अस्थायी युद्धविराम घोषित किया था। 25 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद दोनों देशों में फिर से झड़प शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक एक अफगान अधिकारी ने बताया कि युद्धविराम खत्म होते ही पाकिस्तानी सेना ने नरई और सरकानो इलाकों में दर्जनों तोप के गोले दागे। उन्होंने कहा कि जवाब में अफगान सीमा बलों ने भी गोलीबारी की और तीन पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को नष्ट कर दिया, साथ ही 1 व्यक्ति को मार

गिराया। पाकिस्तान का आरोप है कि काबुल TTP के नेताओं और हजारों लड़ाकों को पनाह दे रहा है, जो सीमा पार से हमले करते हैं। हालांकि अफगानिस्तान इस आरोप को खारिज करता है। पाकिस्तान ने साफ कहा है कि जब तक अफगान तालिबान सरकार यह भरोसा नहीं देती कि उसकी जमीन का इस्तेमाल आतंकी हमलों के लिए नहीं होगा, तब तक वह TTP और उसके समर्थकों को अफगानिस्तान के अंदर निशाना बनाता रहेगा। 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे TTP नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। TTP का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने TTP को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

टीटीपी ने भी 3 दिनों का सीजफायर तोड़ा

इधर, पाकिस्तान तालिबान यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) ने भी कहा है कि उसने ईद के 3 दिन के अपने युद्धविराम के बाद पाकिस्तान के अंदर हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। TTP, अफगान तालिबान से अलग है लेकिन उसके साथ जुड़ा हुआ है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से TTP ने पाकिस्तान में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने TTP को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

पाकिस्तान के हमले में 400 लोगों की मौत हुई थी

यह हिंसा उस समझौते के करीब एक हफ्ते बाद हुई है, जिसमें दोनों देशों ने लड़ाई रोकने पर सहमति जताई थी। यह समझौता सऊदी अरब, तुर्किये और कतर के कहने पर हुआ था। इससे पहले पाकिस्तान ने 17 मार्च की रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे। अफगान तालिबान सरकार का दावा है कि इन हमलों में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। हालांकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है और कहा है कि उसने एक गोला-बारूद के भंडार पर हमला किया था।

मीडिया और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में नशा मुक्ति केंद्र पर हमले की बात सामने आई, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने किसी नागरिक के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की। इसके बजाय पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने आरोप लगाया कि तालिबान नशे के आदी लोगों को आत्मघाती हमलों के लिए इस्तेमाल करता है। हालांकि उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी, 26 की मौत

6 लोगों की जान बचाई, बस को बड़ी नाव पर चढ़ाते समय हुआ हादसा

राजबाड़ी, एजेंसी

बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब यात्रियों से भरी बस दाउलतदिया घाट पर फेरी (बड़ी नाव) में चढ़ते समय पद्मा नदी में गिर गई। फायर सर्विस के मुताबिक, 23 शव बस के अंदर से निकाले गए, जिनमें 11 महिलाएं, 7 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 8 लोगों को जिंदा बचाया गया था, लेकिन उनमें से 3 लोगों की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। कुछ लोगों की तलाश जारी है। बस में करीब 40 लोग सवार थे। हादसा बुधवार शाम को हुआ। तब सिर्फ 2 लोगों की मौत की खबर आई थी। बांग्लादेश में बसों और गाड़ियों को नदी पार कराने के लिए फेरी का इस्तेमाल होता है। यह एक बड़ी नाव या जहाज जैसा होता है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली और जांच के

आदेश दिए। रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर सर्विस की चार टीमें और 10 गोताखोर शामिल रहे। इनके साथ सेना, पुलिस, कोस्टगार्ड, BIWTC और लोकल प्रशासन ने भी मिलकर काम किया। कुल 25 मृतकों में से 22 शव फायर सर्विस ने निकाले, 2 लोगों को स्थानीय लोगों ने बचाया लेकिन बाद उनकी मौत हो गई, जबकि 1 शव नौसेना के गोताखोरों ने बरामद किया। मरने वालों में ज्यादातर की पहचान कर ली गई है, जिनमें महिलाएं, पुरुष और छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

चर्चा : सरकार बोली- ऐसा किया तो कार्रवाई होगी, 5% गैस-क्राइसिस चार्ज वसूलने का मामला आया था

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से 'LPG चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे। LPG संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (CCPA) ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा। अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

बेंगलुरु के एक कैफे ने नींबू पानी के

बिल पर 5% 'गैस क्राइसिस चार्ज' लगाया था।

ग्राहक ने दो मिंट लेमोनेड ऑर्डर किए, जिनकी कुल कीमत 358 रुपए थी। कैफे ने 17.90 (5%) डिस्काउंट दिया, फिर GST के साथ 5% यानी 17.01 'गैस क्राइसिस चार्ज' जोड़ा।

इससे कुल बिल 374 हो गया। CCPA जांच में पाया गया कि कई होटल-रेस्टोरेंट 'सर्विस चार्ज' रोक को बाईपास करने के लिए नए नाम से चार्ज ले रहे हैं। इसे उपभोक्ता अधिकारों का हनन बताते हुए अथॉरिटी ने सख्त निगरानी और कार्रवाई की बात कही।

बिल में ऐसे चार्ज दिखें तो क्या करें?

CCPA ने कहा है कि अगर बिल में LPG चार्ज, फ्यूल चार्ज या कोई अन्य एक्स्ट्रा फीस जुड़ी हुई दिखे, तो सबसे पहले होटल या रेस्टोरेंट मैनेजमेंट से उसे हटाने को कहें। अगर वे इसे हटाने से मना करते हैं, तो ग्राहक 4 तरीकों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

- **हेल्पलाइन नंबर:** नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1915 पर कॉल कर शिकायत करें।
- **मोबाइल ऐपः** NCH एप से भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।
- **ई-जागृति पोर्टल:** ऑनलाइन शिकायत के लिए e-Jagriti पोर्टल का इस्तेमाल करें।
- **कलेक्टर को शिकायत:** जिला कलेक्टर या CCPA को भी शिकायत कर सकते हैं।

कैफे ने नींबू पानी पर 5% गैस-क्राइसिस चार्ज वसूला था

बेंगलुरु के एक कैफे ने नींबू पानी के बिल पर 5% 'गैस क्राइसिस चार्ज' लगाया था। ग्राहक ने दो मिंट लेमोनेड ऑर्डर किए, जिनकी कुल कीमत 358 रुपए थी। कैफे ने 17.90 (5%) डिस्काउंट दिया, फिर GST के साथ 5% यानी 17.01 'गैस क्राइसिस चार्ज' जोड़ा। इससे कुल बिल 374 हो गया।

भारत के कृषि भूमि बाज़ार में एक भरोसेमंद नाम बनकर उभर रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कृषि भूमि और फार्मलैंड निवेश में बढ़ती रुचि के बीच, 2Bigha.ai एक विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में उभर रहा है, जो खरीदारों और विक्रेताओं को भूमि के अवसरों को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से खोजने का माध्यम प्रदान करता है। एक ऐसे बाज़ार में जो पहले काफी बिखरा हुआ और जटिल रहा है, 2Bigha कृषि भूमि लेन-देन में संरचना, स्पष्टता और सुविधा लाने का काम कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म वास्तविक खरीदारों को सत्यापित भूमि विकल्पों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है, साथ ही विक्रेताओं को अपनी संपत्तियों को बड़े दर्शक वर्ग तक पेश करने के लिए एक पेशेवर मंच देता है। भूमि को एक दीर्घकालिक संपत्ति के रूप में बढ़ती जागरूकता के साथ, अब अधिक खरीदार कृषि भूमि को केवल खेती के लिए ही नहीं, बल्कि निवेश,

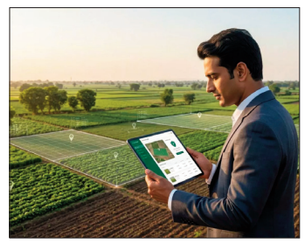

मैनेज्ड फार्म और भविष्य में जीवनशैली उपयोग के लिए भी देख रहे हैं। इस बदलाव ने ऐसे प्लेटफॉर्म की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है, जो खोज प्रक्रिया को सरल बनाए और उपयोगकर्ताओं का विश्वास मजबूत करे। 2Bigha इस आवश्यकता को पूरा करते हुए फार्मलैंड की खोज को अधिक सुलभ और व्यवस्थित बना रहा है। "कृषि भूमि बाज़ार में भरोसा सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है," 2Bigha.ai के एक प्रवक्ता ने कहा। "लोग सिर्फ लिस्टिंग नहीं चाहते, बल्कि स्पष्टता, विश्वसनीयता और ऐसा प्लेटफॉर्म चाहते हैं जो उन्हें सही निर्णय लेने में मदद करे। हमारा उद्देश्य भारत में कृषि भूमि की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाना है।" यह प्लेटफॉर्म उन उपयोगकर्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जो एक ऐसे क्षेत्र में सहज अनुभव चाहते हैं जो पारंपरिक रूप से बिखरे हुए नेटवर्क और ऑफलाइन माध्यमों पर निर्भर रहा है। मैनेज्ड फार्म और बिक्री के लिए उपलब्ध कृषि भूमि के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान करके, 2Bigha मांग और विश्वसनीय डिजिटल खोज के बीच की दूरी को कम कर रहा है। उद्योग के रुझान भी इस वृद्धि का समर्थन करते हैं। पूरे भारत में कृषि भूमि को एक मूल्यवान संपत्ति वर्ग के रूप में देखा जा रहा है, खासकर निवेशकों, कामकाजी पेशेवरों, एनआरआई और दीर्घकालिक सुरक्षित अवसरों की तलाश करने वाले व्यक्तियों के बीच। जैसे-जैसे मांग बढ़ रही है।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रहा ईंधन, अधिकारी बोले-पैनिक ना हो कोई कमी नहीं

लखनऊ के पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइनें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर चल रही चर्चाओं और संभावित बढ़ोतरी की अटकलों के बीच राजधानी लखनऊ में भी इसका असर साफ दिखने लगा है। शहर के पॉश इलाके हजरतगंज स्थित तलवार और रंजन पेट्रोल पंप पर गुरुवार को अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पेट्रोल भरवाने आए लोगों का कहना है कि वे सुबह 9 बजे से लाइन में लगे हुए हैं, लेकिन तीन-तीन घंटे बाद भी नंबर नहीं आ रहा है। कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें जरूरी काम से कहीं जाना था, लेकिन देर होने की वजह से वे बिना पेट्रोल भरवाए ही लौटने को मजबूर हो रहे हैं। पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारी अनंत राम ने बताया कि सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ लगी हुई है। पेट्रोल भरवाने के लिए लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। पॉलिटेक्निक स्थित समर्थ फिलिंग सेंटर के मैनेजर एसपी पांडे ने बताया कि

उनके पास अब केवल 4000 लीटर पेट्रोल ही बचा हुआ है। उन्होंने कहा कि कल से पेट्रोल की सप्लाई वाली गाड़ी नहीं आई है, जिसके चलते यह स्थिति बनी हुई है और पंप पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने की आशंका के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए पंप पर पहुंच गए। हालात यह रहे कि सड़क तक गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। लोगों को अपनी बारी के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। olytechnic Chauraha स्थित पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारी अनंत राम के अनुसार, सुबह से ही भारी भीड़ लगी हुई है और वाहनों की कतार लगातार बढ़ती जा रही है।वहीं, समर्थ फिलिंग सेंटर के मैनेजर एसपी पांडे ने बताया कि पंप पर केवल लगभग 4000 लीटर पेट्रोल ही शेष बचा है। उन्होंने बताया कि पिछले दिन से सप्लाई वाली गाड़ी नहीं पहुंची, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी की खबरों के चलते लोग पहले से ही ईंधन भरवाने के लिए पंपों पर पहुंच रहे हैं। यही वजह है कि शहर के कई इलाकों में अचानक भीड़ बढ़ गई

लंबी लाइनों ने बढ़ाई ट्रैफिक की समस्या

तलवार पेट्रोल पंप के बाहर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी लाइन लगने से आसपास के इलाके में ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण स्थानीय लोगों को भी आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया और बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी की खबरों के बाद लोग पहले ही ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं। इससे अनावश्यक दबाव और घबराहट का माहौल बन गया।

पंप संचालक ने किया साफ-किसी तरह की कमी नहीं

वहीं, तलवार पेट्रोल पंप के संचालक ने साफ किया कि पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना वजह भीड़ न लगाएं। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बाद स्थानीय प्रशासन भी अलर्ट हो गया है और हालात पर नजर बनाए हुए है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था या अफवाह से कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो।

- लखनऊ के हजरत गंज में स्थित रंजन पेट्रोल पंप पर भारी भीड़।
- हजरतगंज स्थित तलवार पेट्रोल पंप पर लगी लंबी लाइन।

और सड़क तक गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गईं। लंबी कतारों के चलते कई जगहों पर ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे आम जनजीवन पर भी असर पड़ा।

इंदौर- गुस्से में दौड़ाई कार, इंजीनियर को कुचला, मौत

पिता-पुत्र का पेंटहाउस किराए पर देने को लेकर रहवासियों से झगड़ा हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में पेंटहाउस किराए पर देने के विवाद में एक शख्स ने कार से एक महिला को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक महिला का नाम शंपा पाठक पांडे है। वह इंफोसिस में सॉफ्टेवयर इंजीनियर थीं। 13 मार्च को दो बच्चों और पति के साथ अपने फ्लैट में शिफ्ट हुई थीं। घटना बुधवार रात 10.30 बजे लसूड़िया थाना क्षेत्र के एमआर-11 स्थित शिव वाटिका टाउनशिप की है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी शख्स और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, टाउनशिप की सागरश्री एन्क्लेव बिल्डिंग में कुलदीप चौधरी ने अपना पेंटहाउस Airbnb को किराए पर दे रखा है। यहां रोज नए लोग आते थे। इस बात को लेकर रहवासियों की आपत्ति थी। कल रात रहवासियों ने उनके फ्लैट की लाइट बंद कर दी थी। यह देखकर कुलदीप चौधरी नीचे आए। उन्होंने रहवासियों के फ्लैट की लाइट बंद कर दी। इस बात को लेकर

मारपीट हुई। इसके बाद बेटा मोहित चौधरी कार लेकर आया। पहले वहां रहने वाली महिला कर्मचारी और फिर शंपा पांडे को टक्कर मार दी। शंपा को बॉम्बे हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। जहां उनकी मौत हो गई। पूरी वारदात बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग में लगा DVR जब्त कर ली है। Airbnb के जरिये यहां कौन-कौन लोग आते थे, इसकी जांच की जाएगी। यह एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप है। यह यात्रियों को दुनियाभर में स्थानीय लोगों के घर, अपार्टमेंट या अनोखी जगहें, जैसे ट्रीहाउस, विला कम समय के लिए किराए पर बुक करने की सुविधा देता है। अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले सौरभ पांडे ने बताया कि बुधवार रात को बिल्डिंग के नीचे शोर हो रहा था।

फास्ट न्यूज

महिला मरीज से वार्ड बॉय ने छेड़छाड़ की

लखनऊ। लखनऊ के निरालानगर स्थित विवेकानंद पॉलिक्लीनिक हॉस्पिटल में बुधवार देररात न्यूरो मरीज से वार्ड बॉय ने छेड़छाड़ की। वह महिला मरीज टॉयलेट गई थी। पीछे से वार्ड बॉय अनीस भी घुस गया। उसने मरीज से बैडटच किया। ऐसा करते ही मरीज चिल्लाई। उसका शोर सुनकर लोग दौड़कर आ गए। टॉयलेट का दरवाजा खोला गया तो आरोपी अनीस भाग निकला।

इलेक्ट्रिक प्रेस से हमलाकर पत्नी की हत्या की

प्रयागराज। प्रयागराज में पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पति ने इलेक्ट्रिक प्रेस से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ 8 वार किए। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। करीब 5 घंटे तक वह पत्नी को तड़पता देखता रहा। जब पत्नी की सांस थम गई। तब उसने गुरुवार सुबह करीब 6 बजे पुलिस को फोन किया। बोला- मैंने अपनी पत्नी का मर्डर कर दिया है। डेडबॉडी घर पर है। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी पति पत्नी की लाश के सामने बैठा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति ने बताया कि हर रोज पत्नी कहती थी कि अपनी मां-बहन को छोड़ दो। मेरे साथ रहो। बुधवार रात करीब 1: 30 बजे इसी बात को लेकर हम दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। दोनों ने 5 साल पहले लव मैरिज की थी। घटना झूंसी थाना के चमनगंज बाजार की है।

फूलन देवी की बहन सपा की महिला अध्यक्ष बनीं

लखनऊ। सपा ने फूलन देवी की बड़ी बहन रुक्मिणी देवी निषाद को महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसकी घोषणा बुधवार को सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने की। 67 साल की रुक्मिणी देवी की नियुक्ति सपा प्रमुख अखिलेश यादव की रजामंदी के बाद की गई। रुक्मिणी को रूबी श्रीवास्तव की जगह नियुक्त किया गया है। रुक्मिणी मूलरूप से जालौन की रहने वाली हैं।

बोलेरो ने सो रहे मजदूर को डिवाइडर पर चढ़कर रौंदा

लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग की गाड़ी से हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में बुधवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। टेढ़ी पुलिया फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार बुलेरो अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। इससे डिवाइडर पर सो रहे एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर का सिर फटने से उसकी जान नहीं बची। वह उसी जगह पर रहता था। जानकारी के अनुसार, बुलेरो स्वास्थ्य विभाग में अनुबंध पर चल रही है। रात में ACMO को बैठाकर ड्राइवर खुर्रमनगर की ओर से इंजीनियरिंग कॉलेज की तरफ जा रहा था। रात करीब 11 बजे ड्राइवर अचानक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी डिवाइडर पर जा चढ़ी। सो रहा मजदूर उसके नीचे फंस गया। टक्कर के बाद मजदूर गाड़ी के नीचे कुछ दूरी तक घिसटता चला गया, जिससे उसका सिर फट गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तेज रफ्तार के कारण बुलेरो भी सड़क पर लहराने लगी थी। कुछ

दूर चलकर गाड़ी बैलेंस हो गई और पलटने से बच गई। उसके दोनों सवारों की जान बच गई। बताया जा रहा है कि बुलेरो में बलरामपुर अस्पताल के ACMO अजय शुक्ला सवार थे। हादसे में वह सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना राहगीरों ने तुरंत 112 नंबर पर दी। पुलिस ने मजदूर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बोलेरो को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस को उसके पास से कुछ कपड़े और सामान मिले हैं।

लखनऊ दुनिया का 58वां सबसे प्रदूषित शहर

दुनिया के टॉप-100 प्रदूषित शहरों में यूपी के 11, बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ दुनिया का 58वां सबसे प्रदूषित शहर हो गया है। यहां का पार्टिकुलेट मैटर (PM) 2.5 का औसत 54.2 $\mu g/m^3$ (माइक्रोग्राम घन प्रतिमीटर) दर्ज हुआ है। PM 2.5 का मतलब है- 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले कितने धूलकण एक घनमीटर हवा में मौजूद हैं। ये कण उड़ती धूल, वाहनों के धुएं, निर्माण और टूटे घरों के मलबे में रहते हैं। स्विट्जरलैंड की संस्था आईक्यूएयर (IQAir) ने 2025 के आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के सबसे प्रदूषित 100 शहरों में 64 भारत के हैं। इनमें भी यूपी के 11 शहर शामिल हैं। गाजियाबाद का लोनी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में शामिल हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखने की नसीहत दी है। और दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत के थे। KGMU के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. संतोष

> रिपोर्ट में 143 देशों और क्षेत्रों के 9,446 शहरों का डेटा शामिल है, जो 40,000 से ज्यादा मॉनिटरिंग स्टेशनों और सेंसरों से लिया गया है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बच्चों पर वायु प्रदूषण का असर जीवनभर रहता है। जीवन के शुरुआती साल में फेफड़ों को पहुंचा नुकसान पूरी जिंदगी असर डालता है।

कुमार ने कहा है कि मौसम बदल रहा है। सावधान रहने की जरूरत है। जहां तक वायु प्रदूषण की बात है तो सांस के रोगियों को समस्याएं होती हैं। हवा में प्रदूषण श्वास मरीजों के लिए बेहद घातक है। सांस की समस्या अब उम्र विशेष के लोगों तक सीमित नहीं है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर उम्र के लोग इसकी चपेट में है। विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2040 तक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों को आधा करने का रोडमैप भी मंजूर किया है।

पीएम 2.5 का पैमाना 5 से ज्यादा होना खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, पार्टिकुलेट मैटर (PM) 2.5 का सुरक्षित वार्षिक औसत स्तर 5 माइक्रोग्राम घन प्रतिमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे अधिक होने पर श्वसन और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। आईक्यू एयर (IQAIR) के डेटा में उत्तर प्रदेश के शहरों का सालाना PM 2.5 का औसत 10 गुना से ज्यादा है। इस स्थिति में स्वास्थ्य का जोखिम होने लगता है। 2025 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट में पहली बार एयर पॉल्यूटेंट्स को टॉप-टियर ग्लोबल रिस्क माना गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे नॉन-कम्यु-निकेबल बीमारियों (हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर) का बड़ा कारण बताया। विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2040 तक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों को आधा करने का रोडमैप भी मंजूर किया है।

भारत 2024 में 5वें नंबर पर था

IQAir की 2024 वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत दुनिया का 5वां सबसे प्रदूषित देश था। देश में पीएम 2.5 के प्रदूषण का स्तर 50.6 $\mu g/m^3$ (माइक्रोग्राम घन प्रतिमीटर) था, जो WHO की सेफ कैटेगरी से 10 गुना ज्यादा है। असम का बर्नीहाट देश का सबसे प्रदूषित शहर था। 2024 में दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी थी।

ट्रेलरों की टक्कर के बाद आग लगी, 3 जिंदा जले

गेट लॉक होने से अंदर ही फंसे, बांदा में पॉलिथीन में भरकर निकालीं लाशें

- पुलिस ने वाहनों में फंसे शवों को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया।
- दोनों ट्रकों में चालक-खलासी फंसे रह गए। तीन लोगों की मौत हो गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

बांदा। यूपी के बांदा में बुधवार रात 2 बजे दो ट्रेलरों की आपस में टक्कर हो गई। हाईवे पर आमने-सामने से हुई टक्कर के बाद ट्रेलरों में आग लग गई। 3 लोग जिंदा जल गए। एक युवक झुलस गया। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 15 फीट ऊंचाई तक उठीं। जो 2 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुरू किया। बताया कि तेज रफ्तार और अंधेरे की वजह से हादसा हुआ। दोनों ट्रेलरों के दरवाजे लॉक हो गए थे। ड्राइवर और खलासी अंदर ही फंस

गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वाहनों में फंसे शवों को पॉलिथीन में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। घायल का इलाज चल रहा है। घटना जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर बांदा-झांसी-मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मटौंध थाना क्षेत्र की है। बांदा-झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मटौंध रेलवे क्रॉसिंग के पास जोरदार हादसा हुआ। एक ट्रेलर कबरई से गिट्टी लेकर आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर खाली था। हादसे में दोनों ड्राइवर और एक खलासी जिंदा जल गए।

लेसा से 326 संविदा बिजली कर्मियों की होगी छंटनी

प्रदेश सरकार ने जहां 1 अप्रैल से आउटसोर्स और संविदा कर्मियों का मानदेय बढ़ाकर न्यूनतम 16,000 रुपए करने का निर्णय लिया है। वहीं, लखनऊ डिवीजन में बिजली विभाग 326 संविदा बिजली कर्मियों को हटाने की तैयारी कर रहा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, ने इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। आरोप लगाया कि पावर कॉरपो-रेशन में संविदा एवं आउटसोर्स कर्मियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। अल्प वेतन पर दिन-रात मेहनत करने वाले इन कर्मियों को सड़क पर धकेला भी जा रहा है। संघर्ष समिति ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में आउटसोर्स निगम बनाकर संविदा कर्मियों के हितों को सुरक्षा प्रदान की गई, लेकिन पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने दिसंबर में शासन को पत्र लिखकर खुद को इस निगम से अलग रखने की मांग की थी। इससे साफ है कि प्रबंधन जानबूझकर इन कर्मियों को सुरक्षा कवच से बाहर रखना चाहता है।

वारदात : आगरा में गला काटकर हत्या, किराएदार के कमरे में मिला शव, मां बेहोश

बच्ची की लाश कनस्तर में ठूंसी, आटे की बोरी रखी

- बच्ची की हत्या के बाद मोहल्ले के लोग भड़क गए। उन्होंने हंगामा कर दिया। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।
- गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में जूता कारोबारी की 8 साल की बच्ची की गला काटकर हत्या कर दी गई। बुधवार रात करीब 8 बजे किराएदार के कमरे में रखे एक कनस्तर से बच्ची की लाश मिली। ऊपर आटे की बोरी रखी हुई थी। वारदात के बाद से किराएदार फरार है। पुलिस को शक है कि उसी ने हत्या की है। बच्ची मंगलवार दोपहर 2 बजे घर के बाहर खेलते समय लापता हो गई थी। 30 घंटे बाद पुलिस ने उसका शव बरामद किया। बेटी की लाश देखकर मां बेहोश हो गईं। घटना की जानकारी मिलते

ही इलाके में तनाव फैल गया। लोग सड़क पर उतर आए। जाम लगा दिया। पथराव किया। कुछ गाड़ियों में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। सूचना पर डीसीपी सिटी अली अब्बास फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। घटना थाना ताजगंज क्षेत्र की है। इलाके में जूता करोबारी के 2 मकान हैं। एक घर में वो पत्नी और 2 बेटियों के साथ रहते हैं। ठीक सामने वाले मकान के ग्राउंड फ्लोर पर फैक्ट्री और गोदाम है। घर के ऊपर एक कमरा किराए पर दे रखा है। इसमें आरोपी सुनील रहता है। वह पेंटिंग का काम करता है। कारोबारी ने बताया- मंगलवार दोपहर 2 बजे मोहल्ले के कुछ बच्चे आए। बड़ी बेटी उनके साथ खेलने चली गई। काफी देर तक वह दिखाई नहीं दी तो मैंने सोचा कि ट्यूशन पढ़ने चली गई होगी।

> डीसीपी सिटी ने बताया- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि शव पर और कोई चोट है या नहीं। आरोपी किराएदार के खिलाफ अपहरण और हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश में 10 टीमें लगाई गई हैं। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस ने 4 टीमें बनाईं, मोहल्ले के सीसीटीवी खंगाले

पिता ने बताया- मैंने पुलिस को सूचना दी। मोहल्ले के लोगों के साथ हम बेटी को आसपास खोजते रहे। पुलिस ने गलियों में लगे CCTV खंगाले। इसमें दोपहर 2:00 बजे बेटी गली के बाहर एक दुकान पर चिप्स का पैकेट लेती नजर आई। फिर वह वहां से वापस जाती दिखी। पुलिस ने देर शाम मेरी तहरीर पर अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर ली। ACP पीयूष कांत राय के नेतृत्व में 4 टीमें बनाई गईं। पुलिस की एक टीम घर के आसपास के कैमरे देख रही थी। दूसरी टीम घरवालों से बातचीत और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान युद्ध से...

दुनिया के करीब 12 प्रतिशत तेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सेना ईरान के ठिकानों पर लगातार हमले कर रही है। उन्होंने दावा किया कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के नौसेना कमांडर को मार गिराया गया।नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इजराइल ईरान के आतंकी शासन के खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि बीती रात एक बड़े ऑपरेशन में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के नौसेना कमांडर को खत्म किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कमांडर कई हमलों में शामिल था और होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की रणनीति का नेतृत्व कर रहा था। नेतन्याहू ने कहा कि यह कार्रवाई इजराइल और अमेरिका के बीच सहयोग का उदाहरण है और दोनों देश मिलकर युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में जुटे हैं।

जंग न होती तो...

सिर्फ गोरखपुर में पिछले 9-10 साल में एक लाख करोड़ से ज्यादा पैसे लगे हैं। सीएम ने गैस सिलेंडर के लिए लग रहीं लाइनों को लेकर कहा- देश के हित में अगर सरकार ने कोई कदम उठाया है, तो हमें उसके लिए खुद को तैयार करना होगा। कोई भी रसोई गैस का सिलेंडर बिना खत्म हुए न लेने जाएं। जैसे पहले सिलेंडर घर तक पहुंचता था, वैसे अब भी पहुंचाएंगे। लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। योगी ने कहा- कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। जब जरूरत हो तभी डीजल और पेट्रोल लेने जाएं। यदि लाइन लगाएंगे तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे। योगी ने कहा कि 15 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का शुभारंभ होने जा रहा है। अब हम सॉफ्टवेयर में भी यहां का युवा अपनी प्रतिभा का परिचय वैश्विक मंच पर देने में सफल हो पाएगा। यूपी के बजट में तकनीक पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। हम सब का मानना है कि तकनीक आज के समय में हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। राज्यमंत्री अजीत पाल ने कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है। जो क्षेत्र तकनीकी से जुड़ता है। वो तेजी से विकास करता है। इस आईटी पार्क से यहां के युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। सीएम के नेतृत्व में आइटी एवं इलेक्ट्रानिक क्षेत्र में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने का प्रयास हो रहा है। गोरखपुर सांसद रवि किशन ने कहा कि यहां अगल बगल के जिलों के बच्चे सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनेंगे। लाखों कमाएंगे। ऐसा मत करना है कि यहां से पढ़कर डॉलर कमाने अमेरिका-लंदन चले जाओ। यह नहीं होना चाहिए। मोदी जी भी ये नहीं चाहते। वो चाहते हैं कि देश का टैलेंट देश में ही रहे उत्तर प्रदेश में डेढ़ लाख करोड़ का निवेश केवल गोरखपुर में आया है। डाइरेक्ट एवं इनडाइरेक्ट रूप से। वो माफिया वाली सरकार, बाहुबलियों वाली सरकार। महिलाओं पर अत्याचार करती थी। पिछली सरकार में इस जगह कब्रिस्तान बनना था। मगर आज गीडा स्थापित है। रामराज्य आया है। जात-पात की राजनीति ध्वस्त हो चुकी है। हम लोगों को जागरूक रहना है। विरोधी बुरी तरह हारने वाले हैं।सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि सहजनवा का चतुर्दिक विकास हुआ है। आईटी पार्क का लोकार्पण हो गया है। इससे यहां के नौजवानों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यहीं पर उन्हें रोजगार मिलेगा। वह सीखेंगे। उनका भविष्य बेहतर होगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संगठन STPI की तरफ से GIDA के सेक्टर-7 में उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से अत्याधुनिक केंद्र का निर्माण किया गया है। STPI के गोरखपुर केंद्र में 50 सीटर प्लग एंड प्ले कार्यक्षेत्र विकसित किया गया है। साथ ही 6000 वर्गफुट में रॉ इंक्यूबेशन स्पेस, इतने ही क्षेत्रफल में सेमी फर्निश्ड इंक्यूबेशन स्पेस, 54 व्यक्तियों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, अत्याधुनिक कांफ्रेंस रूम, अत्याधुनिक नेटवर्क ऑपरेशन्स सिस्टम, कैफेटेरिया और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

दिल्ली-लंदन...

इससे अचानक उनकी नींद टूट गई। यात्रियों ने तुरंत क्रू को इसकी जानकारी दी। उस समय विमान आयरलैंड के तट के पास था। पायलटों ने तुरंत विमान को शैनन एयरपोर्ट पर डायवर्ट करने का फैसला किया। विमान में करीब 300 लोग सवार थे। यह विमान 19 मार्च को दिल्ली वापस लाया गया। इसके बाद इस विमान ने दिल्ली-लंदन-दिल्ली और दिल्ली-न्यूयॉर्क (रोम के जरिए) रूट पर करीब 10 बार उड़ान भरी, लेकिन गुरुवार को फिर से इसी तरह की तकनीकी समस्या सामने आ गई। इधर, एविएशन रेगुलेटर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने एअर इंडिया को वैंकूवर में गलत विमान भेजने के मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। DGCA के एक अधिकारी ने बताया कि एयरलाइन के एक अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दरअसल, 19 मार्च को दिल्ली से वैंकूवर जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 777-200 LR विमान करीब सात घंटे उड़ान के बाद लौट आया। कंपनी ने गलती से बोइंग 777-300 ER की जगह बोइंग 777-200 LR भेज दिया।

बस से झांक रहे 15-साल के लड़के की गर्दन कटी

फिरोजाबाद में खून का फौव्वारा निकलने लगा

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में चलती बस की खिड़की से बाहर सिर निकालकर देख रहे 15 साल के किशोर की गर्दन टिनशेड से टकराकर कट गई। हादसा इतना भयावह था कि उसकी गर्दन पीछे की ओर लटक गई और खून का फव्वारा निकलने लगा। बस के अंदर और बाहर खून फैल गया। किशोर ने मौके पर ही तड़पकर दम तोड़ दिया। बुधवार को हुई यह घटना रामगढ़ क्षेत्र के आकाशवाणी रोड की है। बस अलीगढ़ से बारात लेकर फिरोजाबाद आई थी। किशोर पड़ोसी की शादी में शामिल होने के लिए अपने पिता के साथ आया था। हादसे के बाद बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। उधर, शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। किसी तरह शादी की रस्में पूरी कराई गईं। अलीगढ़ के कौड़ियागंज, अकराबाद के रहने वाले राहत खां के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा मोहम्मद कैफ (15) अपने पिता राहत खां के साथ अपने

मोहम्मद कैफ, मृतक

पड़ोसी कासिम की बारात में बस से फिरोजाबाद आया था। बरातियों को लेकर बस रामगढ़ क्षेत्र स्थित मुबीन पैलेस जा रही थी। जबकि उसके पिता दूसरी गाड़ी में बैठे थे। बस आसानी से हाईवे के रास्ते होते हुए मुनीब पैलेस पहुंच सकती थी, लेकिन कुछ लोगों के कहने पर चालक ने शॉर्टकट लेते हुए बंबा बाइपास और आकाशवाणी रोड का संकरा रास्ता पकड़ लिया। बस सवारों ने बताया कि रास्ता काफी तंग था। कई जगह बस को निकालने में दिक्कत हुई। चालक ने पहले ही इस रास्ते से जाने से मना किया था। लेकिन बरातियों के कहने पर वह बस को उस रास्ते से ले गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676